‘एक्सीलेरेट वज्ञिान’ योजना

हाल ही में ‘वज्ञिान एवं इंजीनयिरगि अनुसंधान बोर्ड’ (SERB) ने ग्रीष्मकालीन सत्र के लयि 'एक्सीलेरेट वज्ञिान' योजना के एक कार्यक्रम 'अभ्यास' के तहत आवेदन आमंत्रति कयि हैं।

- ‘वज्ञिान एवं इंजीनयिरगि अनुसंधान बोर्ड’ (SERB) वज्ञिान और प्रौद्योगकी वभिाग (DST), केंद्रीय वज्ञिान तथा प्रौद्योगकी मंत्रालय का एक स्वायत्त नकिाय है।

‘एक्सीलेरेट वज्ञिान’ योजना

- ‘एक्सीलेरेट वज्ञिान’ (AV) योजना वैज्ञानकि अनुसंधान को बढ़ावा देने और एक वैज्ञानकि कार्यबल तैयार करने का प्रयास करती है, जो अनुसंधान कॅरयिर और ज्ञान-आधारति अर्थव्यवस्था में उद्यम कर सकता है।
- ‘एक्सीलेरेट वज्ञिान’ (AV) योजना का लक्ष्य देश में अनुसंधान आधार का वस्तिार करना है, जसिमें तीन व्यापक लक्ष्य शामलि हैं- सभी वैज्ञानकि प्रशक्षिण कार्यक्रमों का समेकन/एकत्रीकरण, हाई-एंड अभवनिियास कार्यशालाएँ शुरू करना और प्रशक्षिण एवं कौशल इंटर्नशपि के अवसर पैदा करना।

‘एक्सीलेरेट वज्ञिान’ (Accelerate Vigyan) योजना के घटक:

- **अभ्यास (ABHYAAS):**
  - **अभ्यास (ABHYAAS):** ‘**एक्सीलेरेट वज्ञिान**’ **योजना** का एक प्रमुख घटक है, जसिका **लक्ष्य स्नातकोत्तर** (**Post-Graduate**) **एवं पीएचडी के छात्रों** को उनके संबंधति वषिय में कौशल वकिास के लयि प्रोत्साहति करना है। इस कार्यक्रम के दो उप-घटक ‘**कार्यशाला**’ (**KARYASHALA**) और ‘**वृत्तकिा**’ (**VRITIKA**) हैं।
    - यह उन शोधकर्त्ताओं के लयि वशिष रूप से महत्त्वपूर्ण है जनिके पास सीखने की क्षमता/सुवधिाओं/अवसंरचना तक पहुँचने के सीमति अवसर हैं।
- **सम्मोहन (SAMMOHAN) घटक:** 'सम्मोहन' घटक कार्यक्रम के 2 उप-घटक **संयोजकिा** (**SAONJIKA**) **और संगोष्ठी** (**SANGOSHTI**) हैं।
  - **संयोजकिा (SAONJIKA):** इसका उद्देश्य वज्ञिान एवं प्रौद्योगकी में क्षमता नरि्माण गतविधियों को सूचीबद्ध करना है।
  - **संगोष्ठी (SANGOSHTI):** संगोष्ठी, SERB द्वारा पूर्व में संचालति कार्यक्रम है।

ऐसी पहलों की प्रासंगकिता:

- **क्षमता नरि्माण:** AV के सभी उप-घटकों के माध्यम से वभिन्नि वषियों में वकिसति कुशल जनशक्ति का डेटाबेस क्षमता नरि्माण में मदद करेगा।
- **सामाजकि उत्तरदायत्वि:** यह योजना देश में वैज्ञानकि समुदाय की सामाजकि ज़म्मिेदारी हासलि करने का भी प्रयास करती है।

वर्ष 2022-23 के बजट में वज्ञिान एवं प्रौद्योगकी को बढ़ावा देने संबंधी पहलें:

- नेशनल रसिर्च फाउंडेशन के लयि पाँच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपए के परव्यिय की घोषणा की गई।
  - यह सुनशि्चति करेगा कि पहचान कयि गए राष्ट्रीय-प्राथमकिता वाले क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ देश के समग्र अनुसंधान पारस्थितिकी तंत्र को मज़बूत कयिा जाए।
- बजट में सरकार द्वारा समर्थति अनुसंधान एवं वकिास संस्थानों, वश्विवद्यिालयों और कॉलेजों के बीच बेहतर तालमेल बनाने के साथ-साथ उनकी आंतरकि स्वायत्तता को बनाए रखने हेतु नौ शहरों में छत्र संरचनाओं/अम्ब्रेला स्ट्रेक्चर (Umbrella Structures) की स्थापना की भी घोषणा की गई।
  - इसे शक्षिा मंत्रालय द्वारा समन्वति कयिा जाएगा और इस उद्देश्य के लयि एक नश्चिति अनुदान राशि अलग से रखी जाएगी।
  - फरवरी 2020 की बजट घोषणा के अनुसार, जैव प्रौद्योगकी वभिाग URJIT समूहों (वश्विवद्यिालय अनुसंधान संयुक्त उद्योग अनुवाद क्लस्टर) को लागू कर रहा है, जनि्हें 10 स्थानों पर स्थापति कयिा जा रहा है।
  - ये अम्ब्रेला स्ट्रक्चर्स की गतविधियों के पूरक होंगे।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/accelerate-vigyan-scheme-1